नाम..... अनुक्रमांक.....

अर्द्धवार्षिक परीक्षा, 2022-23

संस्कृत

अ-XII-संस्कृत

समय : 3.15 घण्टा] कक्षा—12 [पूर्णांक : 100

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिये निर्धारित हैं।

1. निम्नलिखित गद्य खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये— 5×2=10

स्थित्वा च कंचित् कालं महाश्वेतायाः वदनं विलोक्य, मन्दस्मितम् अकरोत्। असौ तु तावतैव विदिताभिप्राया कादम्बरीम् अब्रवीत्—"सखि! जिगमिषति खलु कुमारः, पृष्ठतः राजचक्रम् अविदितवृत्तान्तं दुःखम् आस्ते। युवयोः दूरस्थितयोरपि कमलिनीकमलबान्धवयोरिव स्थिरेयं प्रीतिः आप्रलयात्। अतः अभ्यनुजानातु भवती" इति। अथ कादम्बरी स्वाधीनोऽयं जनः कुमारस्य, कोऽत्रानुरोधः? इत्यभिधाय, गन्धर्वकुमारान् आहूय, "प्रापयत कुमारं स्वां भूमिम्" इति आदिदेश। चन्द्रापीडोऽपि उत्थाय प्रणम्य प्रथमं महाश्वेताम् ततः कादम्बरीम् "देवि। किं ब्रवीमि? बहुभाषिणः न श्रद्दधाति लोकः। स्मर्तव्योऽस्मि परिजनकथासु" इत्यभिधाय, कन्यकान्तः पुरात् निर्जगाम।

प्रश्न (क) विलोक्य चन्द्रापीडः मन्दस्मितम् अकरोत्?

(ख) जिगमिषति कः?

(ग) गन्धर्वकुमारान् आहूय कादम्बरी किम् आदिदेश?

(घ) उपयुक्त गद्यांश किस पुस्तक से उद्धृत है।

(ङ) रेखांकित अंश का हिन्दी-अनुवाद कीजिये।

अथवा

अत्रान्तरे प्रविश्य प्रतीहारी व्यज्ञापयत्—"युवराज! देवी विलासवती समादिशति, "श्रुतं मया पृष्ठतः स्थिता पत्रलेखा पुनः परागता" इति। तवापि कापि महती वेला वर्तते दृष्टस्य, तत् अनया सहित एव आगच्छ" इति। चन्द्रापीडस्तु तत् आकर्ण्य, चेतस्यकरोत्—'अहो सन्देहदोलाधिरूढं मे जीवितम्। एवम् अम्बा निमेषमपि माम् अपश्यन्ती दुःखमास्ते। एवम् आज्ञापितम् आगमनाय मे निष्कारणवत्सलया देव्या कादम्बर्या। बलवान् जननीस्नेहः। गरीयान् गन्धर्वराजसुतानुरागः। दुस्त्यजा जन्मभूमिः परिग्राह्या कादम्बरी। कालातिपातासहं मे मनः। विप्रकृष्टमन्तरं हेमकूटविन्ध्याचलयोः, इति इत्येवं चिन्तयन्नेव प्रतीहार्या उपदिश्यमानमार्गः जननीसमीपम् अगात्। तत्रैव च सोत्कण्ठं दिवसम् अनयत्।

प्रश्न (क) युवराज का समादिशति?

(ख) कस्मिन् अधिरूढं. चन्द्रापीडस्य जीवितम्?
(ग) देवा कादम्बयां कस्मै आज्ञापितम्?
(घ) उपयुक्त गद्यांश किस पुस्तक से उद्धृत है?
(ङ) रेखांकित अंशों का हिन्दी अनुवाद कीजिये।

2. **अपनी पाठ्य पुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र-चित्रण कीजिये— (उत्तर सीमा अधिकतम 100 शब्द)** 4
(i) तारापीड (ii) चन्द्रापीड (iii) वैशम्पायन (शुक)।

3. **'बाणभट्ट' की काव्य-शैली की विवेचना अपने पठित पाठ्यक्रम के आधार पर कीजिये।** 4

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिये—** 1
(क) 'कादम्बरी' कस्य रचना अस्ति—
(i) श्रीहर्षस्य (ii) कालीदासस्य (iii) भासस्य (iv) बाणभट्टस्य।
(ख) केयूरक: कादम्बर्या: आसीत्— 1
(i) वीणावादक: (ii) प्रतीहारी (iii) द्वारपाल: (iv) छत्रधारक:।

5. **अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये—** 2+5=7
(क) इति प्रगल्भं पुरुषाधिराजो मृगाधिराजस्य वचो निशम्य।
प्रत्याहतास्त्रो गिरिशप्रभावादात्मन्यवज्ञां शिथिलीचकार॥
(ख) स त्वं मदीयेन शरीरवृत्तिं देहेन निर्वर्तयितुं प्रसीद।
दिनावसानोत्सुकबालवत्सा विसृज्यतां धेनुरियं महर्षे:॥

निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ संस्कृत में व्याख्या कीजिये— 2+5=7
(क) इति प्रगल्भं पुरुषाधिराजो मृगाधिराजस्य वचो निशम्य।
प्रत्याहतास्त्रो गिरिशप्रभावादात्मन्यवज्ञां शिथिलीचकार॥
(ख) एकातपत्रं जगत: प्रभुत्वं नवं वय: कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छन् विचारमूढ: प्रतिभासि मे त्वम्॥

7. **महाकवि कालीदास के काव्य-सौन्दर्य (काव्यगत विशेषताओं) काव्यकला में प्रकाश डालिये। (उत्तर सीमा अधिकतम 100 शब्द)** 4

8. **निम्नलिखित दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिये—**
(क) ी सेवा केन कृता— 1
(i) दिलीपेन (ii) अजेन (iii) दशरथेन (iv) दिलीप:।
(ख) साक्षतपात्रहस्ता अस्ति— 1
(i) सौरभेयी (ii) सुदक्षिणा (iii) कौसल्या (iv) अरुन्धती।

9. अधोलिखित में से किसी एक की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये— 2+5=7

(क) रम्यान्तर:कमलिनीहरितै: सरोभि-
श्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखताप:।
भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुस्या:
शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्या:॥

(ख) यस्म त्वया व्रणविरोपणमिङ्गदीनां
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिर्विद्धे।
श्यामाकमुष्टि परिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतक: पदवीं मृगस्ते॥

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिये— 2+5=7

(क) शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्था:।
(ख) मार्गे पदानि खलु ते विषमी भवन्ति।
(ग) गुर्वपि विरहदु: खमाशाबन्ध: साहयति।

11. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम' के आधार पर नाट्यकला की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। (अधिकतम् 100 शब्द) 4

12. दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिये—

(क) शकुन्तलाया: जननी/माता कास्ति— 1
(i) मेनका (ii) सुमित्रा (iii) गार्गी (iv) उर्वशी।

(ख) शकुन्तला याति— 1
(i) हस्तिनापुरम् (ii) इन्द्रप्रस्थम् (iii) पतिगृहम् (iv) आश्रमम्।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 वाक्यों में संस्कृत में निबन्ध लिखिये— 10

(i) संस्कृत (देव) भाषा महत्त्वम्। (ii) अनुशासनम्।
(iii) पर्यावरणस्य महत्त्वम्। (iv) विद्याधनं सर्वधन प्रधानम्।

14. 'उपमा' अथवा 'रुपक' अलंकार का संस्कृत में उदाहरण लिखिये। 3

15. अधोलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये— 4×2=8

(i) बालक को दूध अच्छा लगता है। (ii) साँप नेवलों से डरते हैं।
(iii) मोहन के साथ चन्दन जायेगा। (iv) सीता के साथ राम वन गये।
(v) धनवान चोर से डरता है। (vi) विष्णु को नमस्कार।
(vii) नदियों में गंगा श्रेष्ठ है। (viii) सज्जन परोपकारी होते हैं।

16. (क) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में प्रयुक्त विभक्ति का नियम कीजिये— 2

(i) रावण: रथात् भूमौ पतति। (ii) अध्ययनात् पराजयते।

(iii) प्रजाभ्य: स्वस्ति। (iv) मोक्षाय हरि भजति।

(ख) 'नमो गुरुभ्य:' में 'गुरुभ्य' पद में कौन-सी विभक्ति है— 2

(i) द्वितीया (ii) तृतीया (iii) चतुर्थी (iv) षष्ठी।

17. (क) निम्नलिखित पदों में से किसी एक पद में समास-विग्रह कीजिये— 2

(i) प्रतिदिनम् (ii) अधिहरि: (iii) उपवनम् (iv) मयूरौ।

(ख) 'यथाशक्ति' में प्रयुक्त समास का नाम है— 1

(i) द्वन्द: (ii) द्विगु (iii) अव्ययीभाव: (iv) कर्मधारय:।

18. (क) 'दिगम्बर:' का सन्धि-विधायक सूत्र लिखिये। 2

(ख) 'जगदाधार:' पद का सन्धि-विच्छेद होता है— 1

(i) जगद् + आधार: (ii) जगद + आधार:

(iii) जगदा + आधार: (iv) जगत् + आधार:।

19. (क) 'आवयो:' शब्द की विभक्ति एव वचन लिखिये। 2

(ख) 'अस्मद्' शब्द के तृतीया, एक वचन का रूप है— 1

(i) माम् (ii) मया (iii) मह्यम् (iv) मम।

20. (क) 'अयाचम्' का पुरुष एवं वचन लिखिये। 2

(ख) 'नी' धातु का लट्लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन का रूप होता है— 1

(i) नयिष्यथ: (ii) नेष्यथ: (iii) नेष्यथ (iv) नेयथ:।

21. (क) 'दानीय' पद में धातु और प्रत्यय है— 1

(i) दा + नीय (ii) दा + तुमुन

(iii) दा + क्त (iv) दा + अनीयर।

(ख) 'ची + अनीयर' में रूप बनता है— 1

(i) चयनीय: (ii) चेयम् (iii) चयनम् (iv) चेय:।

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक का वाच्य-परिवर्तन कीजिये— 2

(i) छात्रेण पुस्तकं पठ्यते।

(ii) तया नाटकं दृश्यते।

(iii) राम: फलं खादति।

●●